भोरहरिया

भोजपुरी भजन-माला

ललन सिंह (व्यास)

Copyright © 2020, Lallan Singh
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing,
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur,
Chennai, Tamil Nadu 600016

ISBN: 978-1-5457-5349-1

Library of Congress Cataloging in Publication

अनुक्रमणिका

प्रतिभा केहू के मोहताज ना होखे xvii

प्रशस्ति पत्र..xix

प्रशस्ति-पत्र xxi

विशेष आभार xxiii

भ०सं०	विषय	पृष्ठ-सं०
१	गणेश-वंदना, रउरा मंगलकारी	1
२	सरस्वती वंदना: (मौलिक रचना), जगत के माता हईं	2
३	सरस्वती भजन, जग जननी जग	3
४	भजन (बृजलाल ब्रह्मबाबा), बाबा बृजलाल ब्रह्म	5
५	धन जन सब कुछ छोड़ि के	6
६	प्रार्थना, पार कर भव से	7
७	भजन, जब से, उर में बसल बा	8
८	भजन, का भइले हमसे कसूर	9
९	निर्गुन, नइया खेव ए मलाहावा	11
१०	भजन, बिहारी जी, प्रेमवे के	12
११	गुरु के महिमा, गुरु के, देन	13

१२	भजन, नाता जोड़ब जहिये	14
१३	भजन, सब पाप कटेला	15
१४	मायावी संसार, जीव के जंजाल	16
१५	मनुष्य के नादानी, निपटे नादान मूढ़	17
१६	भजन, आवे सुनि भक्त के पुकार	18
१७	भजन (जन-जन के पुकार)	19
१८	चेतावनी, उमर तोरे दिन दिन बितल जाता	20
१९	सत्संग, अइल अकेला संगे	21
२०	भजन, हरि जी से, लागल रह	22
२१	परोपकार, परम पुरुष परमेश्वर	23
२२	भजन, बनल बतिया बेकार में	24
२३	नासमझी, राम जाने कहिया ले	25
२४	अहंकार के नतीजा, बात बात में अड़ि जइब	27
२५	निर्गुन, आवे के बेरि अकेला	28
२६	भजन, काहे नर तन पाके	29
२७	निराशा, भइनी निराश जग में	30
२८	निर्गुन, रहनी मगन बेखाबारावा	32
२९	मनुष्य के दुर्बलता, कह ए संघतिया	33

३०	भजन, मन खुद के बचा के	34
३१	भजन, छोड़ि तोहरा चरन के	35
३२	निर्गुन, जग में दू दिन के	36
३३	गुरु वंदना, नाइला सर सौ बार	37
३४	भजन, रउरा, करुना निधान हईं	38
३५	भजन, संत समागम हरि चर्चा से	39
३६	भजन, मोरे मनवा रे	40
३७	भजन, जग जाहिर शास्त्रन में लिखल	41
३८	गंगा महिमा, धन्य भूमि भारत के	42
३९	भजन (खेमटा), प्रभु के भजनिया में	43
४०	विश्वकर्मा-भजन, शीश नवाईं, अरज सुनांईं	44
४१	भजन, कइल कमाई कवनो	45
४२	भजन, जब तक मालिक के	46
४३	भूल-भुलइया, मन के भुलाइ लिहल	47
४४	हताशा के दर्द, जिनीगी जहर भइलि	48
४५	भजन (पूर्वी), करुणा के सागर हव	50
४६	भजन (खेमटा), मोरे कीर्तन भजन में	51
४७	भजन, तोरी बिसरे सुरतिया ना	52

४८	भजन (भक्त के साध), हे प्रभु आपन	53
४९	भजन (पूर्वी), अइसन स्वाद ना पवनी	54
५०	भजन (हकीकत), जवन लउकता	55
५१	छठी मइया के गीत, ढर-ढर लोर	57
५२	छठी मइया के गीत, बंहगी लेके चल	58
५३	छठी मइया के गीत (सोहर), मन में अटल	59
५४	छठी मइया के गीत (पारम्परिक), सूप नरियर	60
५५	देवी भजन (सीरंजनी), आहो जग जननी	61
५६	देवी-भजन, टन-टन घंटा	62
५७	देवी भजन, हाहाकार मचल बा सबके	63
५८	देवी भजन, कतने के सब कुछ	64
५९	देवी-भजन, मंगल करनी	65
६०	देवी-गीत, लाले-लाले चुनरी	66
६१	देवी भजन, देवी माई हो	67
६२	देवी-भजन, छोटी मुटी नीमिया	68
६३	वैष्णव देवी भजन, सुनि के सोहरत	70
६४	भजन, शैर-माई के ममता के कतना बखान ह	71
६५	देवी-भजन, रचना पालन तूही कर	72

६६ देवी-भजन, जनम-जनम के भाग्य 73

६७ देवी-भजन, मइहर वाली माई 74

६८ देवी भजन, (शैर-) जय हो भवानी 75

६९ देवी-भजन, जय बोल जय बोल 77

७० देवी-भजन, चारु ओरि चितईं 78

७१ देवी-भजन, तू कल्यानी 79

७२ देवी-भजन, जनम जनम के कीटि 80

७३ देवी भजन, दिन राति अंखियन के 81

७४ देवी-गीत, भोर ही से खाड़ 82

७५ देवी-भजन (वैष्णौ देवी), तोहरे चरन के 83

७६ देवी-भजन, पर्वत के पुतरी 84

७७ देवी-भजन, जगमग जरे दीप 85

७८ देवी-भजन, माई शरन में 86

७९ देवी-भजन, जय-जय माँ 87

८० देवी-भजन, जय हो शेरावाली 89

८१ देवी-भजन (very fast धुन), दूर-दूर से 90

८२ देवी-भजन, गइया के गोबरे 91

८३ देवी-भजन, तोरे चरन शरन 92

८४ हनुमान-भजन, जय हो अंजनीकुमार 93

८५ हनुमान जी की आरती, गाव, पवन-तनय. 94

८६ हनुमान-भजन, शंकर सुवन केशरीनंदन. 96

८७ भोला-भजन, आजा हे बाबा. 97

८८ भोला भजन, भोलेजी से माँगी. 98

८९ भोला भजन, कहिया ले नेहिया 99

९० भोला भजन, महा मृत्युंजय महादेव एह. 100

९१ भोला भजन, अविनाशी कैलाश के. 101

९२ भोला भजन, कहिया ले असरे. 102

९३ शिव विवाह, हाला बा चल 103

९४ भोला भजन, पुआ-पूड़ी छोड़ि. 105

९५ भोला भजन (सोहर), गेरुआ में तन मन 106

९६ भोला भजन, तोहरा चरन के. 107

९७ भोला भजन, चल चल सखी. 108

९८ भोला भजन, कहिया ले जिनीगी 109

९९ भोला भजन, भीर भइल भोला 110

१०० भोला भजन, हर हर महाद्‌व. 111

१०१ भोला भजन, रहि रहि मनवा. 112

१०२ भोला भजन (काँवर गीत), लचके कमरिया 113

१०३ कृष्ण-जन्म की पूर्व-संध्या, असुर निकंदन 114

१०४ कृष्ण-जन्म, सुनिये देवकी 115

१०५ कृष्ण-जन्म सोहर, भादो के अष्टमी. 116

१०६ पूतना-बध, झूले पलना 117

१०७ पूतना-बध, पूतना बनि के 119

१०८ श्याम भजन, कान्हा, हमरा गली 120

१०९ भरम में, आताना दिन से बाड़ 122

११० कृष्ण-भजन, यमुना के तट पर 123

१११ धुन: बगल वाली, घर से लिया के जाली. 124

११२ कृष्ण-लीला, सुन ए यशोदा 126

११३ कृष्ण-लीला, यमुना के तट पर वंशीवट 128

११४ श्रीकृष्ण-लीला, झूठहूं के लाहारा 129

११५ पूर्वी, बनि के कसइया कंस करे निरवंश 131

११६ कृष्ण-सुदामा, हित से दागा 132

११७ द्रोपदी-चीर-हरण (पूर्बी), बनि के बेचारी. 134

११८ कृष्ण-लीला, साँच मान हमरो 136

११९ बधाई-गीत, भइले यशोदा का लालना. 137

१२० श्याम-भजन, चित के चुरा के 138
१२१ श्याम विरह गीत, श्याम बिना 140
१२२ श्याम-विरह गीत: (पूर्बी), प्रीतिया लगा के होई 141
१२३ कुब्जा पर कृपा, प्रेम के प्याला. 142
१२४ कृष्ण विरह गीत, एक दिन बरीस लागे. 144
१२५ धुन: पारम्परिक पीड़िंया गीत, प्रीतिया लगाइ बिसराइ. . . 146
१२६ श्याम-विरह, जोड़ि लिहल नाता. 147
१२७ राम-केवट-प्रसंग, माँगी नाव न 148
१२८ लक्ष्मण के शक्ति लागला पर भगवान 150
१२९ श्रीरामजी के आरती, उतार ए सखी. 152
१३० सेवरी के निष्ठा, सुनि के अवइया. 153
१३१ देश भक्ति गीत (खेमटा), इ तिरंगा ह. 155
१३२ राष्ट्रीय गीत, दोसरा से कम 156
१३३ देश भक्ति-गीत, अपना वतन. 156
१३४ अतीत के याद, सोचि-सोचि रहे. 157
१३५ इन्सानियत के खून, ग्रंथ के लिखल 159
१३६ राष्ट्रीय-गीत, झर-झर लोर 160
१३७ राष्ट्रीय गीत (आजादी के जश्न), देशवा के शान 161

१३८	राष्ट्रीय गीत, दुनिया में अइसन	163
१३९	राष्ट्रीय गीत, आपुस में फूट भइल	164
१४०	आजादी के उन्माद, सखी हो आज	165
१४१	देश के स्थिति, कहे के त कहतालो	166
१४२	संगीत के सजाईं, संगीत के सजाईं	167
१४३	आखिरी-पड़ाव, हियरा हहरे हर	169
१४४	गीत, बेटी बोझ ना हइ सर के	170
१४५	बेमारी ना महामारी, जानाता महा प्रलय हो जाई	172
१४६	माई के काराजा (गजल), छोड़ि तोहारा के	174
१४७	दम्भ, फेड़ रुख ना जहवाँ	175
१४८	फर्ज, रहे के बा दुनिया में	176
१४९	पुत्रहीनं गृहम् शून्यम्	177
१५०	लोक-गीत, शहर ना सोहाला सइंया	178
१५१	रस ही अलग ह, अल्हड़ जवानी के	179
१५२	शिक्षा परियोजना गीत, हाथ में मशाल लेके	180
१५३	हाला बा हवाला के, रायफल बन्दूक सिक्सर	182
१५४	गीत, बुझाते नइखे	183
१५५	डोली से विदाई, अब नाही मिली डोलिया कहार	184

१५६ भ्रूण-हत्या, कहले कहात नाहीं. 185
१५७ सोहर, कईके गवन अगहन में 186
१५८ दिल, आदमी के दिल दरिया ह 188
१५९ आपन बात, बहुते दिलदार मिलल 189
१६० बेटी के विदाई-गीत, ए माई, कवने कसूरवा 191
१६१ गीत, माई के जीउवा जइसे गाइके 192
१६२ बेटी के विदाई गीत, हामारा अभागिनी 194
१६३ दर्दे-दिल, प्रीतिया लगा लेला केहू. 195
१६४ निर्गुन, आस नइखे विश्वास नइखे 196
१६५ लोक गीत, घर अइले परदेशी 197
१६६ लोक गीत, बीते जनि असो के 198
१६७ वर के आरती, जूटल शुभ लगन शुभ घरिया. 199
१६८ अब भोर हो गइल, संवरिया रे. 200
१६९ गजल, सच्ची साधना 201
१७० दोस्ती के दहलीज, बनि के आपन 202
१७१ भजन, जब टूटी जाई 203
१७२ गज़ल, आपन अब तक रहल 205
१७३ गीत, मनवा में भइल काहे 206

१७४ राष्ट्रीय-गीत, झर-झर लोर ढरे 207

१७५ मानवता के लोप, सगरो बा मचल देख............. 208

१७६ राष्ट्रीय-गीत, भारत माँ के चरण-धूलि से 209

१७७ जमाना के दोष, बदलल जमाना.................. 211

१७८ विरहिनी के दर्द, अइले वसंत कंत 212

१७९ कलियुग के फेरा, का का ते देखइबे............... 213

१८० दु दिनवा नाता, चल चल सखिया छोड़............. 214

१८१ कलियुगी इयारी, वाह रे इयारी 216

१८२ देवी गीत, नव नव रुप में नव दुर्गा के 217

१८३ आसरा के दीया, रात दिन हम.................. 218

१८४ हवा के झोंका, आइल झोंका अइसन 219

१८५ गजल, सोच में बानी नादानी.................... 220

१८६ लोक-गीत (खेमटा), कहींला तवन मान पिया 221

१८७ अहंकार के नतीजा, तोहरे विनाश खातिर........... 222

१८८ राष्ट्रीय गीत, गाँवे-गाँवे शहर-शहर 223

१८९ बरखा बहार, रिमझिम बरसन लागे............... 224

१९० कजरी, मोरे रामा झूला झुलावे वनवारी 225

१९१ कजरी, मोरे रामा रिम झिम 226

१९२	भोला भजन, बोल बम बोल बम	227
१९३	आरती, आरती उतारीं रघुबर के	228
१९४	सोहर, काहांवा में जनमे कन्हइया	229
१९५	राष्ट्रीय गीत, हाथ में तिरंगा	231
१९६	नाता स्वारथ के, जग में स्वारथवश बा नाता	232
१९७	भोला भजन, चल सखी देखि आईं	233
१९८	कृष्ण-विरह-गीत (पूर्वी), प्रीतिया लगा के गइल	234
१९९	मतलब के यार, मतलब के एह दुनिया में	236
२००	भजन, भजन में मन तोहरो ना लागल	237
२०१	निर्गुन, डोलिया कहार ले	238
२०२	निर्गुन, जग झूठा	239
२०३	देवी भजन, चलु चलु सखिया रे	240
२०४	निर्गुन, कब का हो जाई भाई	242
२०५	दहेज के दंश, बड़का जानि अइनी दुअरा पर	243

गणेश-वंदना—(१)

रउरा मंगलकारी विघ्नहारी, हईं ए गनेश जी,
माता पार्वती पिता त्रिपुरारी ए गनेश जी।

सब देवतन में रउरा, पहीले पुजाईंला,
बिगड़ल काम रउरा, पल में बनाईंला।
देनी, कवनो संकट के रउरा, टारी ए गनेश जी,
माता पार्वती पिता ....।

हईं लम्बोदर गजवदन विनायक,
सिद्धि सदन रउरा, सब विधि लायक।
एकदंत राउर मूस के, सवारी ए गनेश जी,
माता पार्वती पिता ....।

महिमा बढ़ाई दिहनी, बाप महतारी के,
जे के बचाइबि ओहके, दुनिया में मारी के।
छोड़ि रउरा के दोसर के, उबारी ए गनेश जी,
माता पार्वती पिता ....।

बुद्धि बल से लक्ष्मी रउरा, घर में बसाईंला,
लड्डुवन के भोग रउरा, प्रेम से लगाईंला।
रउरा एको पल "ललन" के जनि, बिसारीं ए गनेश जी,
माता पार्वती पिता ....।

❋❋❋

सरस्वती वंदना: (मौलिक रचना)—(२)

जगत के माता हईं, केहू ना समान रउरा।
जगत के माता हईं, केहू ना समान रउरा,
सभा में आ बचा लीं, आज शान मान रउरा,
जगत के माता ....।

नजर के कोर राउर,
बनावे बिगड़ल बाउर।
मूढ़ भी ग्यानी बने,
नीच भी मानी बने।
अइसने महान रउरा, जगत के माता हईं.,
केहू ना ....।

जे पावल हरदम ठोकर,
दया पा अइसन ओकर।
जहाँ ओकरे पर झूमे,
चरन ओकरे आ चूमे।
हईं दयावान रउरा, जगत के माता हईं,
केहू ना ....।

छुवत मिट्टी हो मूँगा,
बनेला वक्ता गूँगा।
मति के फेरि देनी,
होनी के टेरि देनी।

करीं कल्यान रउरा जगत के माता हईं,

केहू ना ....।

"ललन" बिनती बा मोरी,

ग्यान से भरि दीं झोरी।

वाणी में वाणी आईं,

लगन दिल के पुराईं।

मोरे अरमान रउरा, जगत के माता हईं,

केहू ना ....।

संवाद: नाम मंथरा मंद मति, चेरि कैकयी केरि।

अयश पिटारी ताहि करि, गई गिरा मति फेरि॥

एहीजा भी मति फेरे वाला काम सरस्वती ही कइली हा।

❃❃❃

सरस्वती भजन—(३)

धुन: (बागी बलिया बरामद होके आइल बा)

जग जननी जग जाहिर तोहसे, राख सभा बीच पानी,

स्वर के देवी स्वर में समाजा, कहीं जुगल जोरि पानी,

बानी, बानी असरे में फेरबू नजर जननी,

लेबू कहियो ना कहियो खबर जननी॥

उजुबुक गंवार बानी निपटे नादान हो।
बुद्धिया के हीन बानी, कुछु के ना ज्ञान हो।
कालियो दास से बड़ हमरा के, मूरख लोगवा जाने,
कइद माफ जो भइल होखे, भूल जाने अनजाने,
जाने, जाने कब होई दया के असर जननी,
लेबू कहियो ना कहियो खबर जननी॥

ममता के आंचर माई, कबले ओढ़इबू?
अन्हरी कोठरिया में दियना जरइबू।
काया कल्प होखे में माई, अब कातना दिन लागी?
मन के मइलि धोवाई कहिया, इ भूत भांवरि भागी?
जागी, जागि जाई भाग कबले संवर जननी,
लेबू कहियो ना कहियो खबर जननी॥

तहरा ईशारा बिन हिले ना एको पाता,
तहरा से बढ़िके के बा भाग्य विधाता।
जेकरे पर तू फेर नजर उ बनेला पंडित ज्ञानी,
"ललन" लगन बा अभी बनाल आपन दया निशानी,
जानी, जानी छोड़बू ना एकउ कसर जननी,
लेबू कहियो ना कहियो खबर जननी॥

❃❃❃

भजन (बृजलाल ब्रह्मबाबा)—(४)

(धुन: लागे वाली बतिया ना बोल मोरे राजा हो)

बाबा बृजलाल ब्रह्म, बाबा के शरनिया, गोहार करींला, हो गोहार करींला,
जोरि हाथावा, नाइ माथावा, इजहार करींला, हो पुकार करींला।

श्रद्धा विस्वास राखि, आवे जे पाँजारावा,
तनिको ना शक ओकर, पूजेला आसारावा हो पूजेला आसारावा।
महिमा महान जाने, गइँया जावारावा, बार-बार करींला हो पुकार करींला।
जोरि हाथावा, नाइ माथावा ....।

काम जब ना करेले, दवइया ओझइया,
कई देले चंगा बाबा, लेते इनीकर नइया हो, लेते इनीकर नइया।
दीन दुखियन पर हरदम, रहेले सहइया नमस्कार करींला, नमस्कार करींला।
जोरि हाथावा, नाइ माथावा ....।

रोवत जे आवे बाबा, दर से हँसत जाला,
करसु चमत्कार गुनवा, घर-घर में गावाला,
घर-घर में गावाला।
सभ केहू कहे इनीकर, लीला ह निराला,
हम बिचार करींला, हो बिचार करींला,
जोरि हाथावा, नाइ माथावा ....।

हारि थाकि आइल बानी, दुनिया का डर से,
बाबा हो बचइह हमके, बाउर नजर से हो, बाउर नजर से।
नेहिया के डोर ना टूटे, "ललन", अबर से, इंतजार करींला, इंतजार करींला,
करीं सपना साकार हो पुकार करींला, हो पुकार करींला,
जोरि हाथावा नाइ माथावा ....।

❀❀❀

निर्गुन

धन जन सब कुछ छोड़ि के—(५)

धन जन सब कुछु छोड़ि के, एक दिन डोली उठि जाई,
धन जन सब कुछु छोड़ि के, एक दिन डोली उठि जाई,
का होई कामाईल धन संगोरि के, जबकि संगही ना जाई।

दिनावा धाराईल रहे, गरभे में माई का,
ब्रह्भा के लिखल टाँकी, केहुओ मिटाई का?
प्रिय परिजन से, मुँह मोड़ि के, एक दिन डोली उठि जाई,
रही सभे बइठले अगोरि के, नाही रोकले रोकाई।

गावाना के दिनावा, मुहुर्त नियाराई,
करे के ना परी खुदे, हो जाई विदाई,
जोरल सनेहिया के तोड़ि के, एक दिन डोली उठि जाई
का होई पिंजड़ा झंझोरि के,
सुगना जब उड़ि जाई।

धनी भा गरीब होई, मिली मरकीन हो,
ड्रेस मखमली नाहीं, मिली टेरलीन हो,
नाता "ललन" पियवे से जोड़ि के, एक दिन डोली उठि जाई,
संइयाँ पूछीहें अँखिया गंड़ोरि के, तब का देब तू सफाई?

❃❃❃

प्रार्थना—(६)

पार कर भव से मोरी नइया, रघुरइया आजा,
आहो रघुरइया आजा, आहो रघुरइया आजा,
बहेला पवन चउअइया, रघुरइया आजा॥

गहरी नदिया, अगम बहे धारा,
बहुते चकोह नाहीं, लउके किनारा।
ना बा पतवार ना खेवइया, रघुरइया आजा॥

चारु ओरि चितईं, ना दिखेला सहारा,
जीव घबड़ाता बानी, बनल बेचारा।
हितो मित होखे ना सहइया, रघुरइया आजा॥

नाम लेत कादो भव, सिन्धु सुखाला,
जनम जनम के महा, पाप भी धोवाला।
बेरि-बेरि परतानी पइयां, रघुरइया आजा॥

धीरीजा के बांध नाथ, अब टूटल जाता,
पुरजन परिजन, सब छूटल जाता।
"ललन" दीन दुखियन के भइया, रघुरइया आजा।
बहेला पवन चउअइया, रघुरइया आजा॥

❃❃❃

भजन—(७)

जब से, उर में बसल बा, सकल नाथ के,
उनुके धुन में पागल मन, मगन हो गइल।
सुख सोहरत बड़ाई, मिली ना मिली,
हमरा खातिर रतन धन, भजन हो गइल,
जब से, —

बहु मंजिला अंटारी, सवारी भी ना,
पद पदवी भी ना, अधिकारी भी ना।
बस एक ही भरोसा बा, विश्वास भी,
जान प्रभु से पीरीतिया, सघन हो गइल,
जब से, —

जब तक उतरी ना रुप धन, मद के नशा,
तब तक संवरी ना कतई, जीवन के दशा।
भूलि प्रभु के रमवल मन, जंजाल में,
मान, मानव जीवन के, पतन हो गइल,
जब से, —

खुद अपना के चिन्ह, चिन्हाव जनी,
कहि के अइल का कइल, बताव तनी।
पाके अनमोल रतन, ना जतन कइल,
मन बउरे में काहें, मगन हो गइल?
जब से, —

लागे कीर्तन भजन मे ना, कौड़ी छदाम,
मिली एहीजो भा ओहीजो, अलौकिक आराम।
मुक्त होइब तुहूं, कुल परिवार भी,
भाव उमड़ल त गद-गद, "ललन" हो गइल,
जब से, —

❁❁❁

भजन—(८)

का भइले हमसे कसूर हो, नजरिया से दूर कइल भगवन
दूर कइल भगवन हो दूर कइल भगवन,
नजरिया से ....।

पाप पुण्य के इ दू डगरिया,
जगह जगह माया के नगरिया।
तूही त बनवल हजूर हो, नजरिया से दूर ....।
का भइले हमसे ....।

ओही रे डगरिया में, हम भूलि गइनी,
ओही रे नगरिया में हम अझुरइनी।
फंसि गइनी होके मजबूर हो, नजरिया से दूर ....।

बालापन हम खेलि गँववनी,
मस्त जवानी में मौज उड़वनी।
सीखनी ना नीमन सहूर हो, नजरिया से दूर ....।

कतने अधम नीच पातकी के तरल,
ग्राह के मारि गजराज के उबरल।
मोरा बेरी हो गइल निठूर हो, नजरिया से दूर ....।

गरीबनेवाज हव दुखियन के भइया,
बीच भँवर से मोरी पार कर नइया।
भव के मलाहावा मसहूर हो, नजरिया से दूर ....।

"ललन" अनारी के आस पुराव,
कर जोरि बिनइला दुर्गुन दुराव।
भर भाव भक्ति भरपूर हो, नजरिया से दूर ....।

❃❃❃

निर्गुन—(९)

नइया खेव ए मलाहावा भइया धीरे-धीरे।
डगमग डोलतिया नइया बेसुमार,
    हो मलाहावा भइया धीरे-धीरे।
    नइया खेव ....।

    छप-छप करे जल नइया के कोर हो,
    उठल तूफान चउवइया के जोर हो।
जल अगम बहेला जोरदार,
    हो मलाहावा भाइया धीरे-धीरे।
    नइया खेव ....।

    अवघट घाट पाट लमहर लागता,
    देखि के चकोह तन थरथर काँपता।
कइसे पार लागी बोझल भारी भार,
    हो मलाहावा भइया धीरे धीरे।
    नइया खेव ....।

    जिनीगी के रंग भंग हो जाई जानाता,
    "व्यास ललन" मन काहे पछताता।
अब एकही बा आसरा तोहार,
    हो मलाहावा भाइया धीरे-धीरे।
    नाइया खेव ....।

❀❀❀

भजन—(१०)

बिहारी जी, प्रेमवे के भोग लगावे,
ओहीजे वास करे भक्त जहँवा, हरि चर्चा नित गावे,
बिहारी जी ....।

भाव अभाव भले हो अंटारी मे्वा मिष्ठान्न ना भावे,
ना भावे, मेवा मिष्ठान्न नाभावे।
बासी साग विदुर घर जाके, अहगरि के प्रभु पावे,
बिहारी जी ....।

ऊँच जाति भारी तपसी के, ऋषिगन दम्भ देखावे,
देखावे, ऋषिगन दम्भ देखावे।
सब के टारि सेवरी के बइरिया, खा निज धाम सिधावे,
बिहारी जी ....।

द्रोपदी होके अधीर सभा में, कृष्ण कृष्ण गोहरावे,
गोहरावे, कृष्ण कृष्ण गोहरावे।
सुनत टेर ना देर लगावे, नंगे पउँवा धावे,
बिहारी जी ....।

प्रेम दीवानी मीरा रानी, श्याम सुन्दर के रीझावे,
रीझावे, श्याम सुन्दर के रीझावे।
कहे "ललन" राणा विष प्रभुजी, छन में अम्रृत बनावे,
बिहारी जी ....।

❃❃❃

You've Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com